विवरणिका
2013-2014

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा-442 005 (महाराष्ट्र) भारत
ई-मेल : dr.ac@hindivishwa.org
फ़ोन : फ़ैक्स : (07152) 251661, वेबसाइट : www.hindivishwa.org

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा-442 005 (महाराष्ट्र) भारत

विवरणिका शुल्क :

1.	सामान्य वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग	₹ 200/-
2.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग	₹ 100/-
3.	विदेशी अभ्यर्थियों के लिए	US $ 25

माननीय प्रणब मुखर्जी
कुलाध्यक्ष

अनुक्रम

अनु. क्र.	विवरण	पृष्ठ सं.
1	कुलपति का संदेश	
2	विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय	
3	विश्वविद्यालय के अध्ययन-विद्यापीठ	1
4	भाषा विद्यापीठ	5
5	साहित्य विद्यापीठ	13
6	संस्कृति विद्यापीठ	16
7	अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	23
8	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	26
9	सृजन विद्यापीठ	31
10	क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद	32
11	विविध पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित शुल्क	33
12	विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम	37
13	आरक्षण	38
14	प्रवेश नियम	39
15	विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ	41
16	अकादमिक कैलेण्डर	42
17	आवेदन प्राप्ति और जमा करने का पता	42
18	लीला (LILA)	43
19	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	43
20	पुस्तकालय	43
21	महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	44
22	महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एवं शुल्क	45
23	विश्वविद्यालय के अधिकारीगण	46
24	आवेदन-प्रपत्र (एम.ए/एम.फिल./पी-एच.डी/सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा)	
25	प्रवेश-पत्र (एम.फिल./पी-एच.डी.)	

कुलपति का संदेश

सत्र 2013–14 में विश्वविद्यालय में 12 वीं पंचवर्षीय योजना के तहत प्राप्त अनेक विद्यापीठ/विभाग/केंद्र खुलेंगे। आशा है कि इस सत्र के दौरान विश्वविद्यालय में चलने वाली शैक्षणिक गतिविधियाँ दुगुनी से अधिक हो जाएँगी। इस सत्र में कई भवन भी बनकर तैयार हो जाएँगे जिनमें छात्रों के लिए दो छात्रावास तथा साहित्य विद्यापीठ का भवन सम्मिलित होगा। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यह सिर्फ उपाधि वितरित करनेवाली संस्था बन कर न रह जाए बल्कि यहाँ छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा विकास के लिए आवश्यक गतिविधियाँ संचालित की जाएँ।

मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी तथा छात्र वर्ष 2013–14 को रचनात्मक गतिविधियों से भरपूर पाएँगे।

विभूति नारायण राय
कुलपति

विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से छह किलोमीटर दूर नागपुर–मुम्बई हाइवे पर उमरी गाँव के निकट पंचटीला पर अवस्थित है। निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़ है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उत्तरोत्तर उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश–दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान–सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। वर्तमान बहुभाषा–भाषी विश्व में एक समर्थ–संपन्न अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान विश्वविद्यालय की प्रथम प्रतिश्रुति है।

विश्वविद्यालय के स्थापनाकाल से चल रहे चार विद्यापीठों के अतिरिक्त माननीय राष्ट्रपति, जो इस विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष भी हैं के द्वारा चार नए विद्यापीठ खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। चार नए विद्यापीठ हैं, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान विद्यापीठ, सृजन विद्यापीठ, प्रबंधन विद्यापीठ एवं शिक्षा विद्यापीठ।

विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2011 से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह–परिकल्पना की गई है। इसके लिए आधुनिकतम तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट (website) के माध्यम से संक्रियात्मक बनाया जा रहा है। पारंपरिक पुस्तकालय के साथ डिजिटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक–ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों आदि का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भ–कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

विश्वविद्यालय के अध्ययन-विद्यापीठ

अधिनियम के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अध्ययन–विद्यापीठ हैं :–

1) **भाषा विद्यापीठ**
   (क) भाषा–प्रौद्योगिकी विभाग
   (ख) कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
   (ग) प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
   (घ) भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

2) **साहित्य विद्यापीठ**
   (क) साहित्य विभाग

3) **संस्कृति विद्यापीठ**
   (क) अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
   (ख) स्त्री अध्ययन विभाग
   (ग) डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र
   (घ) महात्मा गांधी फ्यूजीई–गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र
   (च) डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध–अध्ययन केंद्र

4) **अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ**
   (क) अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
   (ख) डायस्पोरा अध्ययन विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
विवरणिका 2013-14

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त पत्र संख्या 26-9/2008-Desk(U)/L-I दिनांक 03.08.2010 के अनुसार निम्नानुसार चार अतिरिक्त विद्यापीठ स्वीकृत किये गये हैं :–

1) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
2) विधि विद्यापीठ
   (विद्यापरिषद् की दिनांक 28.02.2012 को आयोजित 17वीं बैठक तथा कार्यपरिषद् की दिनांक 06.03.2012 को आयोजित 45 वीं बैठक में लिए गये निर्णयानुसार विधि विद्यापीठ का नाम परिवर्तित कर सृजन विद्यापीठ किया गया।)
3) प्रबंधन विद्यापीठ
4) शिक्षा विद्यापीठ

5) **मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ**
   क) संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
   ख) मानवविज्ञान विभाग
   (विद्यापरिषद् की दिनांक 28.02.2012 को आयोजित 17 वीं बैठक तथा कार्यपरिषद् की दिनांक 06.03.2012 को आयोजित 45 वीं बैठक में लिए गये निर्णयानुसार संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र तथा मानवविज्ञान विभाग को संस्कृति विद्यापीठ से स्थानांतरित कर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ में शामिल किया गया।)

6) **सृजन विद्यापीठ**
   (क) नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग
   (विद्यापरिषद् की दिनांक 28.02.2012 को आयोजित 17 वीं बैठक तथा कार्यपरिषद् की दिनांक 06.03.2012 को आयोजित 45 वीं बैठक में लिए गये निर्णयानुसार नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग को साहित्य विद्यापीठ से स्थानांतरित कर सृजन विद्यापीठ में शामिल किया गया।)

12 वीं पंचवर्षीय योजना में विद्यापीठवार मौजूदा विभागों के अलावा निम्नलिखित नये विभाग/केंद्र/कार्यक्रम प्रस्तावित किये जा रहे हैं।

1) **भाषा विद्यापीठ**
   (क) भाषाविज्ञान विभाग
   (ख) लुप्तप्राय भाषा केंद्र
   (ग) फ्रेंच, जर्मन, इटैलियन, कोरियन तथा अरेबिक भाषाओं मे डिप्लोमा कार्यक्रम

2) साहित्य विद्यापीठ

(क) संस्कृत साहित्य विभाग
(ख) मराठी साहित्य विभाग
(ग) उर्दू साहित्य विभाग
(घ) अंग्रेज़ी साहित्य विभाग

3) संस्कृति विद्यापीठ

(क) मौखिक एवं अमूर्त विरासत अध्ययन केंद्र
(ख) सतत् विकास एवं राजनैतिक रणनीति केंद्र
(ग) पर्यावरण अध्ययन केंद्र

4) अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

(क) ज्ञान पाठ अनुवाद केंद्र

5) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

(क) अर्थशास्त्र विभाग
(ख) इतिहास एवं पुरातत्व विभाग
(ग) भारतीय विद्या (Indology) एवं दर्शन शास्त्र विभाग
(घ) अंतरराष्ट्रीय अध्ययन/संबंध विभाग
(च) भूगोल विभाग
(छ) राजनीति विज्ञान विभाग
(ज) समाजशास्त्र विभाग
(झ) मनोविज्ञान विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शांति मैत्री
विवरणिका 2013-14

6) सृजन विद्यापीठ

(क) चित्रकला विभाग
(ख) मूर्तिकला विभाग
(ग) संगीतकला विभाग
(घ) नृत्यकला विभाग
(च) ग्राफिक्स एवं डिज़ाइन (आरेखी तथा रूपरेखा) विभाग
(छ) फैशन प्रौद्योगिकी विभाग

7) प्रबंधन विद्यापीठ

(क) वाणिज्य विभाग
(ख) प्रबंधन अध्ययन विभाग
(ग) अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग
(घ) बैंकिंग प्रबंधन विभाग
(च) ग्रामीण प्रबंधन विभाग

8) शिक्षा विद्यापीठ

(क) शिक्षा विभाग
(ख) शारीरिक शिक्षा विभाग
(ग) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

1. भाषा विद्यापीठ

आज की रोज़गारोन्मुख एवं प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को देखते हुए हिंदी भाषा को एक नवीन दृष्टि और दिशा देना महत्वपूर्ण हो गया है, चाहे वह भाषा का सैद्धांतिक दृष्टिकोण हो या अनुप्रयोगात्मक क्षेत्र अथवा अभियांत्रिकी या प्रौद्योगिकी पक्ष। इनसे जुड़े बिना आज हिंदी भाषा का समुचित विकास तथा संवर्धन संभव नहीं हो सकता। इस अवधारणा को केंद्र में रखते हुए हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भाषा विद्यापीठ की स्थापना की गई है, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किए गए हैं।

1.1 भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग
1.2 कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
1.3 प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
1.4 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

1.1 भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग

भूमंडलीकरण के इस युग में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिंदी को प्रौद्योगिकी से जोड़कर हिंदी के सर्वांगीण विकास हेतु एम.ए. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी), एम.फिल. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी), पी-एच.डी. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी) जैसे पाठ्यक्रमों का संचालन इस विभाग के अंतर्गत हो रहा है।

1.1.1 एम.ए. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी)

यह दो वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम है जिसके अंतर्गत हिंदी भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्र यथा— भाषा, भाषा-परिवार, स्वनविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान, शैलीविज्ञान, कोशविज्ञान, भाषाशिक्षण, अनुवाद-विज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, मनोभाषाविज्ञान, भाषा-प्रौद्योगिकी की अवधारणा, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन आदि का अध्ययन किया जाता है।

64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40 % (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 35 %) अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
विवरणिका 2013-14

1.1.2 एम.फिल. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध-प्रविधि, भाषाशिक्षण, प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषा-प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन एवं अनुप्रयोग आदि का अध्ययन किया जाता है। विद्यार्थी अपना लघु शोध प्रबंध लेखन कार्य सैद्धांतिक भाषाविज्ञान या अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में कर सकता है।

यह एक वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का होता है, जो दो छमाहियों में पूर्ण होता है। प्रथम छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी, जिसमें 12 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे और द्वितीय छमाही में विद्यार्थी 8 क्रेडिट का लघु शोध प्रबंध पूर्ण करेंगे और 2 क्रेडिट की मौखिक परीक्षा होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान/भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (एम.ए.) परीक्षा उत्तीर्ण।

1.1.3 पी-एच.डी. हिंदी (भाषा-प्रौद्योगिकी)

यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के (एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए) न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार संचालित है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोधार्थी सैद्धांतिक भाषाविज्ञान या अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में अपना शोधकार्य कर सकता है।

योग्यता : (क) भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान/भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (एम.ए.) परीक्षा उत्तीर्ण।

अथवा

(ख) किसी भी अन्य अनुशासन में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर एवं भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान / भाषा-प्रौद्योगिकी / अनुवाद प्रौद्योगिकी / कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में एम.फिल. परीक्षा उत्तीर्ण।

वांछनीय योग्यता : योग्यता (क) में निर्दिष्ट विषयों में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण।

1.2 कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

हिंदी भाषा को कम्प्यूटर के साथ जोड़ते हुए अन्य प्रौद्योगिकी एवं गैर-प्रौद्योगिकी संस्थाओं की मांग को देखते हुए इस विषय पर गंभीर अध्ययन व शोध के साथ-साथ विषय के प्रति प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित किया गया है। इस विभाग के अंतर्गत एम.ए. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), एम.फिल. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) तथा पी-एच.डी. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

1.2.1 एम.ए. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)

यह दो वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम है जिसके अंतर्गत कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स के सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्र यथा—कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन आदि का अध्ययन किया जाता है।

64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)** अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

1.2.2 एम.फिल. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध-प्रविधि (Research Methodology), प्रगत संगणन (Advanced Computing) एवं भाषा संगणन (Language Computing) जैसे प्रश्न-पत्रों का अध्ययन किया जाएगा। विद्यार्थी अपना लघु शोध प्रबंध लेखन कार्य भाषा संगणन के किसी भी क्षेत्र में कर सकते हैं। यह एक वर्षीय नियमित 22 क्रेडिट का पाठ्यक्रम होगा, जो दो छमाहियों में पूर्ण होगा। प्रथम छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी, जिसमें 04-04 क्रेडिट के 03 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 03 क्रेडिट सैद्धांतिक व 01 क्रेडिट प्रायोगिक होगा। द्वितीय छमाही में विद्यार्थी 8 क्रेडिट का लघु शोध प्रबंध पूर्ण करेंगे और 2 क्रेडिट की मौखिकी होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 10 सीटें हैं।

योग्यता : (क) प्रोग्रामिंग भाषा की जानकारी के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स / भाषा प्रौद्योगिकी / मास्टर ऑफ इंफारमेटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग / अनुवाद प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण।

अथवा

(ख) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक. /एम.सी.ए. / एम.एस-सी. में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण।

1.2.3 पी-एच.डी कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स

यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के (एम.फिल./पी-एच.डी उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार संचालित है। इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य भाषा के व्याकरणिक पक्ष एवं भाषा-अभियांत्रिकी से संबद्ध क्षेत्रों में अधुनातन शोध को प्रोत्साहित करना एवं नई अवधारणाओं का विकास करना है।

योग्यता :

(क) प्रोग्रामिंग भाषा की जानकारी के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स / भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी में एम.ए. अथवा एम.आई.एल.ई. में न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) अंकों के साथ उत्तीर्ण। **अथवा**

(ख) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में एम.ए. न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) अंकों के साथ उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री/डिप्लोमा। **अथवा**

(ग) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत के साथ 'स्पीच थेरेपी' में स्नातकोत्तर (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) उत्तीर्ण।

वांछनीय योग्यता : योग्यता भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण।

1.3 प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र (भाषा-प्रौद्योगिकी, अनुवाद प्रौद्योगिकी, सूचना-प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला) विश्वस्तरीय उच्चमानकता के साथ कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना-प्रौद्योगिकी एवं इनके अनुप्रयुक्त क्षेत्र में प्रशिक्षण देने तथा गहन शोधकार्य करने हेतु अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशाला के द्वारा भाषा-प्रौद्योगिकी, अनुवाद प्रौद्योगिकी और सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास की दृष्टि से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित है। इस केंद्र की प्राथमिकता विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास से संबंधित शिक्षा के अन्य अनुशासनों को

मदद देने तथा ई-कैंपस एवं ई-कल्वर को बढ़ावा देना भी है। इस केंद्र में स्नातकोत्तर एवं शोधस्तरीय तथा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं।

1.3.1 मास्टर ऑफ इन्फॉर्मैटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एम.आई.एल.ई.)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत भाषा से जुड़े सूचना एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र का अध्ययन किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा को लेकर नई अवधारणा का विकास करना है। इस पाठ्यक्रम में भाषा-अभियांत्रिकी एवं सूचना-प्रौद्योगिकी से संबद्ध विविध प्रयोगात्मक क्षेत्रों के अध्ययन पर बल दिया जाता है। 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

(1) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना-प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 40% (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%) अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण एवं हिंदी का ज्ञान।

(2) योग्यता (1) निर्दिष्ट अनुशासन को छोडकर अन्य किसी भी अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 40% (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%) अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर एप्लिकेशन/सूचना-प्रोद्योगिकी में डिप्लोमा ।

1.3.2 पी-एच.डी. (इन्फॉर्मैटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग)

यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के (एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए) न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार संचालित है। यह पाठ्यक्रम सूचना-प्रौद्योगिकी एवं भाषा-अभियांत्रिकी से संबद्ध क्षेत्रों में अधुनातन शोध को प्रोत्साहित करने एवं नई अवधारणाओं का विकास करने के लिए समर्पित है।

योग्यता : (क) प्रोग्रामिंग भाषा की जानकारी के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स/ भाषा-प्रौद्योगिकी/ अनुवाद प्रौद्योगिकी में एम.ए. अथवा एम.आई.एल.ई में न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ उत्तीर्ण।

अथवा

(ख) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में एम.ए. न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना-प्रौद्योगिकी में डिग्री/डिप्लोमा।

अथवा

(ग) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना-प्रौद्योगिकी में एम.टेक./एम.सी.ए./ एम. एस-सी. (आई.टी.) न्यूनतम 55% **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** अंकों के साथ उत्तीर्ण।

अथवा

(घ) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंको के साथ 'स्पीच थेरेपी' में स्नातकोत्तर **(अनुसूचित जाति / जनजाति के लिए 50%)** उत्तीर्ण।

वांछनीय योग्यता : योग्यता (क) में निर्दिष्ट विषयों में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण।

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

1.3.3 सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (सी.सी.ए.)

यह एक अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो 16 क्रेडिट का होता है जिसमें 4-4 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र एवं 4 क्रेडिट का परियोजना कार्य होता है।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में 10+2 उत्तीर्ण।

1.3.4 डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.)

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो दो छमाही में पूर्ण होता है। 32 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम की प्रथम छमाही (सी.सी.ए.) में 16 क्रेडिट एवं द्वितीय छमाही में 16 क्रेडिट होते हैं, जिसमें 4-4 क्रेडिट के दो प्रश्नपत्र एवं 8 क्रेडिट का एक परियोजना-कार्य होता है।

योग्यता : सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (सी.सी.ए.) उत्तीर्ण।

1.4 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

यह केंद्र भारतीय एवं विदेशी भाषाओं एवं पारंपरिक संस्कृति की शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप भारतीयों तथा विदेशियों को शिक्षा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इस केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

1.4.1. मराठी भाषा में डिप्लोमा

शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण
अवधि :- 1 वर्ष

1.4.2. तमिल भाषा में डिप्लोमा

शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
अवधि :- 1 वर्ष

1.4.3. उर्दू भाषा में डिप्लोमा

शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
अवधि :- 1 वर्ष

1.4.4. अंग्रेज़ी भाषा में डिप्लोमा (अध्यापक की उपलब्धता के आधार पर शुरू किया जाएगा)

शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
अवधि :- 1 वर्ष

1.4.5. संस्कृत भाषा में डिप्लोमा (अध्यापक की उपलब्धता के आधार पर शुरू किया जाएगा)

शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
अवधि :- 1 वर्ष

1.4.6. चीनी भाषा

- **सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
  अवधि :- 6 माह

- **डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से चीनी भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।
  अवधि :- 6 माह

- **एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से चीनी भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।
  अवधि :- 01 वर्ष

1.4.7. स्पेनिश भाषा

- **सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
  अवधि :- 6 माह

- **डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्पेनिश भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण
  अवधि :- 6 माह

- **एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्पेनिश भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण
  अवधि :- 01 वर्ष

1.4.8 जापानी भाषा

- **सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
  अवधि :- 6 माह

- **डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से जापानी भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण
  अवधि :- 06 माह

- **एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम**

  शैक्षणिक योग्यता :- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से जापानी भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण
  अवधि :- 01 वर्ष

❑❑❑❑

2. साहित्य विद्यापीठ

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध रहा है। नई प्रौद्योगिकी ने साहित्य को तीव्र गति प्रदान की है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य की प्रमुख गतिविधि है।

साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत साहित्य विभाग संचालित है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं -

2	**साहित्य विभाग**	2.1	एम. ए. हिंदी
		2.2	एम.फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
		2.3	पी-एच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
		2.4	स्नातकोत्तर डिप्लोमा : तुलनात्मक भारतीय साहित्य
		2.5	स्नातकोत्तर डिप्लोमा : हिंदुस्तानी
		2.6	पी.जी. डिप्लोमा इन इंडियन एण्ड वेस्टर्न आर्ट्स एण्ड एस्थेटिक्स

2.1 एम. ए. हिंदी

एम.ए. हिंदी दो वर्षीय पाठ्यक्रम है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। इसके अंतर्गत हिंदी साहित्य का विस्तृत अध्ययन शामिल है। चार छमाहियों का यह नियमित पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**।

2.2 एम.फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)

एम.फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य) एक वर्ष का पाठ्यक्रम है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र हैं। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और मौखिक परीक्षा भी देनी होगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता :

संबद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55%अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

संबद्ध अनुशासन :

हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/संगीत/ललित कलाएँ / नाटक / तुलनात्मक साहित्य / मानविकी के अंतर्गत अन्य विषय (सामाजिक विज्ञानों को छोड़कर)।

2.3 पी-एच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल/पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता :

संबद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55%अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय : संबद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

संबद्ध अनुशासन :

हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/संगीत/ललित कलाएँ / नाटक / तुलनात्मक साहित्य / मानविकी के अंतर्गत अन्य विषय (सामाजिक विज्ञानों को छोड़कर)।

2.4 स्नातकोत्तर डिप्लोमा : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

यह एक वर्ष का पाठ्यक्रम है जो दो छमाहियों मे पूरा होगा पहली छमाही में चार प्रश्नपत्र होंगे तथा दूसरी छमाही में भी चार प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में दो प्रश्नपत्रों के साथ परियोजना-कार्य और मौखिकी भी पाठ्यचर्या का अंग होगी। संपूर्ण पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का होगा। इस सत्र में प्रवेश हेतु कुल 10 सीटें होगी।

योग्यता :

40% अंकों के साथ स्नातक / स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35% अंक)**। साहित्य, कला और मानविकी अनुशासनों से संबद्ध अभ्यर्थियों को वरीयता। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एम.फिल/पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ भी लिया जा सकता है। प्रवेश मेरिट और साक्षात्कार पर आधारित।

2.5 स्नातकोत्तर डिप्लोमा : हिंदुस्तानी

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में 40% अंकों के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35% अंक)। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एम.फिल./पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ भी लिया जा सकता है। प्रवेश सीधे मेरिट और साक्षात्कार पर आधारित।

2.6 पी. जी. डिप्लोमा इन इंडियन एण्ड वेस्टर्न आर्ट्स एण्ड एस्थेटिक्स

यह पाठ्यक्रम विशिष्ट रूप में कला एवं सौंदर्यशास्त्र के विभिन्न दृष्टिकोणों से छात्रों को लाभान्वित करने हेतु बनाया गया है। एक वर्षीय पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर कला एवं सौंदर्यशास्त्रीय सिद्धांतों के अध्ययन एवं प्रयोग से अपने को सुरूचि संपन्न कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम दो छमाहियों में पूरा होगा। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र तथा एक परियोजना कार्य तथा दूसरी छमाही में भी तीन प्रश्नपत्र तथा एक परियोजना और मौखिकी भी पाठ्यचर्या का अंग होगी। संपूर्ण पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का होगा। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु कुल 20 सीटें होंगी।

योग्यता एवं प्रवेश : किसी भी विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। प्रवेश मेरिट और साक्षात्कार पर आधारित।

3. संस्कृति विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत ज्ञान के प्रचलित अनुशासनों यथा—मानविकी व सामाजिक विज्ञानों से जुड़े अंतरानुशासनात्मक विषय के रूप में निम्नलिखित विभाग संचालित हैं :—

3.1 **अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग**

3.2 **स्त्री अध्ययन विभाग**

3.3 **डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र**

3.4 **महात्मा गांधी फ्यूजीई-गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र**

3.5 **डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र**

संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत चलाये जा रहे पाठ्यक्रम निम्नानुसार है :-

3.1 अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग

3.1.1 एम. ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग भारत के सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। अंतरानुशासनिक पद्धति से तैयार यह पाठ्यक्रम राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान का ऐसा सम्मिलित अध्ययन प्रस्तुत करता है, जो अब तक के ज्ञानानुशासनों को देखने व समझने की नई दृष्टि देता है। यह पाठ्यक्रम अपनी समग्रता में भारत भर के विश्वविद्यालयों में संभवतः पहला प्रयास है। पाठ्यक्रम का स्वरूप विश्वभर के सभी शांति अध्ययन पाठ्यक्रमों से समतुल्यता के साथ एक विशिष्ट पहचान भी रखता है।

64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35 %)**

3.1.2 एम.फिल. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

अहिंसा संबंधी मूल्यों एवं सिद्धांतों के प्रति गंभीर अध्ययन व शोध के साथ-साथ मानवता के लिए प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा तथा मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र कुल 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट का तथा मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन/मानविकी या सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

3.1.3 पी-एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन/मानविकी या सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 %)**

वांछनीय : सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

3.2 स्त्री अध्ययन विभाग

3.2.1 एम. ए. स्त्री अध्ययन

हिंदी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्त्री विमर्श को विस्तार देने की दृष्टि से एम.ए. स्त्री अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35 %)**

3.2.2 एम.फिल. स्त्री अध्ययन

एम.फिल. स्त्री अध्ययन पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र-12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोधप्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन या सामाजिक विज्ञान/मानविकी की किसी भी विधा में न्यूनतम 55 % अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

3.2.3 पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन या सामाजिक विज्ञान/मानविकी की किसी भी विधा में न्यूनतम 55%अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय : संबद्ध अनुशासन या सामाजिक विज्ञान/मानविकी की किसी भी विधा में एम.फिल / जे.आर.एफ/नेट उत्तीर्ण।

3.2.4 स्त्री अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा

यह एकवर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 24 क्रेडिट का होगा इसमें 16 क्रेडिट के पाँच (प्रथम छमाही 03 तथा द्वितीय छमाही 02) प्रश्न पत्र होंगे। 6 क्रेडिट का परियोजना कार्य तथा 2 क्रेडिट की मौखिकी होगी।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

3.3 डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र

3.3.1 एम. ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन

हिंदी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दलित तथा जनजातीय अध्ययन को विस्तार देने की दृष्टि से एम.ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

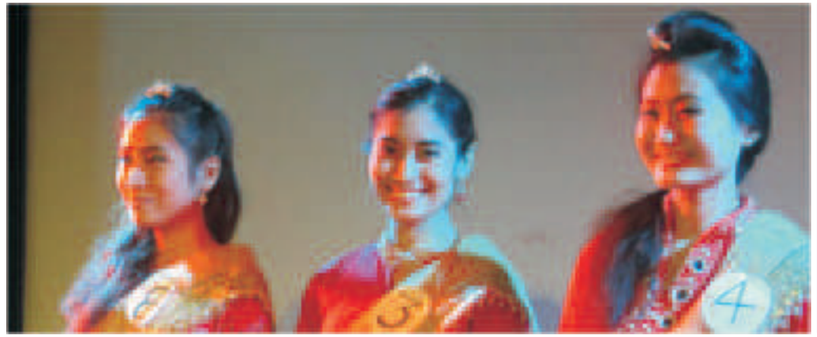

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

3.3.2 एम. फिल. दलित एवं जनजाति अध्ययन

एम.फिल. दलित एवं जनजाति अध्ययन पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा तथा मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र कुल 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 05 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 55% अंकों के साथ सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

3.3.3 पी-एच.डी. दलित एवं जनजाति अध्ययन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

3.4 महात्मा गांधी फ्यूजीई-गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र

3.4.1 एम.ए. समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू.)

देश में प्रचलित मानकों के साथ चल रहा एम.एस.डब्ल्यू का यह पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौती के रूप में गांधी-जीवन मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वावलंबन की सीख देता है। यह अध्ययन मात्र शास्त्रीय नहीं, कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो जाती है।

यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। कुल 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : समाज कार्य/सामाजिक विज्ञान/मानविकी में 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

3.4.2 एम.फिल. समाज कार्य

एम.फिल. समाज कार्य पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा तथा मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र कुल 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 05 सीटें हैं।

योग्यता : समाज कार्य में 55% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

3.4.3 पी-एच. डी. समाज कार्य

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनिमय, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : समाज कार्य में न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय : संबद्ध अनुशासन में जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा।

3.5 डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध-अध्ययन केंद्र

इस केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित है।

3.5.1 एम.ए. बौद्ध-अध्ययन

हिंदी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध अध्ययन को विस्तार देने की दृष्टि से एम.ए. बौद्ध अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम

सत्र 2009-2010 से चलाया जा रहा है। जो 14 प्रश्न पत्रों और एक परियोजना शोध कार्य व मौखिकी के साथ चार सेमिस्टर में पूरा होता है, जो 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही किसी एक भारतीय अथवा विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा करना और आज के तकनीकी युग को दृष्टिगत रखते हुए कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

3.5.2 एम.फिल. बौद्ध-अध्ययन

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है, जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में दो प्रश्नपत्र होंगे और एक टर्म पेपर व पुस्तक समीक्षा करनी होगी। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध लिखना होगा और एक मौखिकी भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 28 क्रेडिट का है। पहली छमाही में दो प्रश्न पत्र, टर्म पेपर व पुस्तक समीक्षा 18 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 08 क्रेडिट का और मौखिकी 02 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 05 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों सहित सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों हेतु न्यूनतम 50% अंकों सहित उत्तीर्ण)**

वांछनीय : बौद्ध अध्ययन/पालि में जे.आर.एफ./नेट/समकक्ष राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

3.5.3 पी-एच.डी. बौद्ध-अध्ययन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों सहित सामाजिक विज्ञान की किसी भी विधा में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों हेतु न्यूनतम 50% अंकों सहित उत्तीर्ण)**

वांछनीय : सामाजिक विज्ञान में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/समकक्ष राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
विवरणिका 2013-14

3.5.4 बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो पाँच प्रश्न पत्र और एक परियोजना शोध कार्य व मौखिकी के साथ पूरा होता है।

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

3.5.5 पालि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो पाँच प्रश्न पत्र और एक परियोजना शोध कार्य व मौखिकी परीक्षा के साथ पूरा होता है।

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

3.5.6 बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो पाँच प्रश्न पत्र और एक परियोजना शोध कार्य व मौखिकी परीक्षा के साथ पूरा होता है।

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

3.5.7 तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो पाँच प्रश्न पत्र और एक परियोजना शोध कार्य व मौखिकी परीक्षा के साथ पूरा होता है।

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- हिंदी को अनुवाद के माध्यम से संपन्न भाषा बनाकर इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अस्मिता की भाषा बनाना।
- अनुवाद विज्ञान को अंतरानुशासनिक ज्ञान के रूप में विकसित करना तथा मशीन अनुवाद का विकास करना।
- निर्वचन को आशु-अनुवाद की परिधि से विस्तृत कर एक स्वतंत्र ज्ञानानुशासन के रूप में विकसित करना।
- भारतीय संस्कृति एवं डायस्पोरा के विविध पक्षों पर शोध करना।
- अनुवाद विज्ञान को उपकरण के रूप में पर्यटन, भाषाशिक्षण, सिनेमा एवं प्रतीकांतरण आदि क्षेत्रों में विकसित करना।

4.1 अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग

4.1.1 एम.ए. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
4.1.2 एम.फिल. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
4.1.3 पी-एच.डी. हिंदी (अनुवाद प्रौद्यौगिकी)
4.1.4 स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद)
4.1.5 प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
4.1.6 निर्वचन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

4.2 डायस्पोरा अध्ययन विभाग

एम.फिल. माइग्रेशन, डायस्पोरा एवं ट्रांसनेशनल सांस्कृतिक अध्ययन

4.1 अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग

4.1.1 एम. ए. हिंदी (अनुवाद प्रौद्यौगिकी)

एम.ए. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) का दो वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इसके अतिरिक्त एक विदेशी भाषा का अध्ययन आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

1. किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35 %)**
2. हिंदी एवं अंग्रेज़ी भाषा के साथ स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता।

4.1.2 एम.फिल. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

एम.फिल. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। पहली छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी व दूसरी छमाही में विद्यार्थी अपना लघु शोधप्रबन्ध पूरा करेंगे। कुल 22 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम में 12 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे और 8 क्रेडिट का लघु शोध प्रबंध और 2 क्रेडिट की मौखिक परीक्षा होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

4.1.3 पी-एच.डी. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : संबद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय : संबद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

संबद्ध अनुशासनः अनुवाद प्रौद्योगिकी, भाषा-विज्ञान।

4.1.4 स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद)

एकवर्षीय (दो छमाही) का पाठ्यक्रम

योग्यता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि तथा हिंदी एवं अंग्रेज़ी का कार्य साधक ज्ञान।

4.1.5 प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

एकवर्षीय (दो छमाही) का पाठ्यक्रम

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातकोत्तर योग्यता (एम.ए.) तथा अंग्रेज़ी भाषा की सामान्य जानकारी।

4.1.6 निर्वचन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

एकवर्षीय (दो छमाही) का पाठ्यक्रम

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातकोत्तर योग्यता (एम.ए.) तथा अंग्रेज़ी भाषा की सामान्य जानकारी।

4.2 डायस्पोरा अध्ययन विभाग

इस विभाग का गठन अंतरानुशासनिक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों हेतु किया गया है। विभाग की शोध गतिविधियों का केंद्र बिंदु गिरमिट : अनुबंध आधारित श्रमिक प्रवासन से उत्पन्न भारतीय डायस्पोरा होगा। विभाग द्वारा औपनिवेशिक काल के अभिलेखों का विश्लेषण एवं उनका पुनर्पाठ, प्रवासन काल की भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिति, भारतीय डायस्पोरा के जीवन के विविध पक्षों एवं मेज़बान समाजों (होस्ट सोसाइटीज़) एवं अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर उनके द्वारा किए गए योगदानों का अध्ययन स्वभूमि दृष्टिकोण (होमलैण्ड पर्सपेक्टिव) से किया जाएगा।

विभाग में ऐतिहासिक तथा वर्तमान युग के प्रवासन से जुड़े विविध पक्षों, डायस्पोरा निर्माण की प्रक्रियाओं तथा उभरते विश्वव्यापी ट्रांसनेशनल-सांस्कृतिक स्वरूपों के बारे में शोध हेतु मानवविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, साहित्य एवं अन्य संबंधित विषयों के आलोक में शोधार्थियों के लिए शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जाएगा।

इस हेतु सत्र 2011-12 से एम.फिल. माइग्रेशन, डायस्पोरा एवं ट्रांसनेशनल सांस्कृतिक अध्ययन प्रारंभ किया गया है।

4.2.1 एम.फिल. माइग्रेशन, डायस्पोरा एवं ट्रांसनेशनल सांस्कृतिक अध्ययन

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। पहली छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी व दूसरी छमाही में विद्यार्थी अपना लघु शोध प्रबंध पूरा करेंगे। कुल 22 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम में 12 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे और 8 क्रेडिट का लघु शोध प्रबंध और 2 क्रेडिट की मौखिक परीक्षा होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 05 सीटें हैं।

योग्यता : मानविकी अथवा सामाजिक विज्ञान की किसी शाखा/अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)** स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण।

5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

5.1 संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
5.2 मानवविज्ञान विभाग

5.1 संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र अपने विद्यार्थियों /शोधार्थियों को संचार के विविध क्षेत्रों में तकनीकी सूक्ष्मता की विकसित समझ तथा अपने विषय की विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह केंद्र स्तरीय शोध द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचार विषय-क्षेत्र को नए आयामों तक पहुंचाने के लिए निरंतर गतिशील है। केंद्र द्वारा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के मीडिया व शोध विशेषज्ञों को आमंत्रित कर ज्ञानवर्धन के प्रयास किए जा रहे हैं।

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के विशिष्ट पाठ्यक्रमों द्वारा मीडिया क्षेत्र में उच्च मीडिया-शोध, उत्कृष्ट लेखन, कुशल शिक्षण, मीडिया प्रशिक्षण, जनसंपर्क व विज्ञापन विशेषज्ञ, नवीन मीडिया प्रबंधन, मूल्यनिष्ठ पत्रकार, अर्थपरक टीवी./फिल्म निर्माण में दक्षता तथा सूचना तकनीक से जोड़ रहा है। समृद्ध पुस्तकालय, अत्याधुनिक उपकरणों से लैस स्टूडियो, न्यूज़ तथा तकनीकी प्रशिक्षण कक्ष के उपयोग द्वारा केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास करना केंद्र का उद्देश्य है। मीडिया क्षेत्र में समाज के समानांतर एक नई दिशा तथा बेहतर भविष्य की संकल्पना को स्थापित करना संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के उद्देश्य की संकल्पना है।

5.1.1 एम.ए. जनसंचार

यह पाठ्यक्रम जनसंचार क्षेत्र के मूल सिद्धांतों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं पर आधारित होगा। पाठ्यक्रम में जितना मीडिया के सैद्धांतिक पक्षों पर ज़ोर है उतना ही यह प्रायोगिक अर्थात् समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, कैमरा तकनीक, मुद्रण तकनीक एवं रेडियो के नवीन ज्ञान से समृद्ध है।

यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होगा। कुल 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम होगा। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

5.1.2 एम.ए. मीडिया प्रबंधन

समय एवं परिस्थिति के अनुसार शिक्षा की ज़रूरत बदलती है। आज एक नए प्रतिमान के रूप में मीडिया प्रबंधन पूरे वैश्विक मीडिया परिदृश्य में उभर रहा है। हर मीडिया संस्थान में प्रबंध संपादक रखने का प्रचलन है। मीडिया प्रबंधन के महत्व एवं इसमें निहित रोज़गार की संभावनाओं को देखते हुए केंद्र ने एम.ए. मीडिया प्रबंधन के पाठ्यक्रम को संचालित करने का निर्णय लिया है। संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र प्रबंधन की अद्यतन जानकारियों के साथ अपने छात्र-छात्राओं को रोज़गार के चमचमाते अवसर से जोड़ना चाहता है। केंद्र का उद्देश्य ऐसा मीडिया प्रबंधक तैयार करना है जो प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं अन्य माध्यमों में अपनी प्रबंधकीय क्षमता से अलग पहचान बनायें, जिससे वे पूरे देश और समाज के लिए अनुकरणीय बने।

एम. ए. मीडिया प्रबंधन पाठ्यक्रम चार छमाही में विभाजित है। प्रत्येक छमाही में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें सैद्धांतिकी के साथ प्रायोगिक पक्ष पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाएगा। चतुर्थ छमाही में विद्यार्थियों को ऐच्छिक विषय का विकल्प दिया जायेगा। लघु शोध संबंधी परियोजना कार्य चतुर्थ छमाही में एक प्रश्नपत्र के बराबर होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार क्रेडिट के रहेंगे। (जिनमें दो क्रेडिट लिखित परीक्षा के लिए और एक क्रेडिट सेमिनार प्रपत्र तथा एक क्रेडिट सत्रांत पत्र के लिए होगा)। इस प्रकार दो वर्षों में कुल 64 क्रेडिट होगा। पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40 अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

5.1.3 एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जगत के मूल सिद्धान्तों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं के विश्लेष्णात्मक अध्ययन के साथ निर्माण तकनीक के निमित्त है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विषयवस्तु, तकनीक और उपयोगिता का विवेचन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, विशेषीकृत रिपोर्टिंग और वीडियो संपादन जैसे कौशल केंद्रित क्षेत्र में दक्षता प्राप्त करने हेतु व्यावहारिक कार्यों पर बल दिया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्षेत्र में गहन शोध एवं अध्ययन तथा गुणवत्तापरक निर्माण प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान करता है।

यह पाठ्यक्रम (एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पाठ्यक्रम) चार छमाही में विभाजित है। प्रत्येक छमाही में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें सैद्धांतिकी के साथ प्रायोगिक पक्ष पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाएगा। चतुर्थ छमाही में विद्यार्थियों को ऐच्छिक विषय का विकल्प के रूप में दिया जाएगा। लघु शोध संबंधी परियोजना कार्य चतुर्थ छमाही में एक प्रश्नपत्र के बराबर होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार क्रेडिट के रहेंगे। (जिनमें दो क्रेडिट लिखित परीक्षा के लिए और एक क्रेडिट सेमिनार प्रपत्र तथा एक क्रेडिट सत्रांत पत्र के लिए होगा)। इस प्रकार दो वर्षों में कुल 64 क्रेडिट होगा। पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

5.1.4 - एम.फिल. जनसंचार

एम.फिल. जनसंचार पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट का और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें है।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55%अंकों के साथ पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मीडिया प्रबंधन, जनसंपर्क एवं विज्ञापन में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

5.1.5 - पी-एच.डी. जनसंचार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ पत्रकारिता, जनसंसार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मीडिया प्रबंधन, जनसंपर्क एवं विज्ञापन में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय : संबद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण।

5.1.6 टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक वर्ष का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.1.7 वेब पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक वर्ष का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.1..8 प्रसारण माध्यमों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक वर्ष का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.1.9 विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक सत्र का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.1.10 ग्राफ़िक्स एवं एनीमेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक वर्ष का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.1.11 वीडियोग्राफी एवं वीडियो संपादन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम एक अकादमिक वर्ष का होगा। किसी भी विषय/अनुशासन में स्नातक की डिग्री प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता होगी। कुल 24 क्रेडिट में विभाजित इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वार्षिक प्रणाली की होगी। पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या 15 है।

5.2 मानवविज्ञान विभाग

अकादमिक वर्ष 2009-10 में स्थापित यह विभाग पश्चिम भारत में मानवविज्ञान का दूसरा विभाग है। चूँकि मानवविज्ञान में जनजातीय अध्ययन बहुत प्रमुखता रखता है इसलिए विदर्भ क्षेत्र में स्थित यह विभाग विदर्भ के विशाल जनजातीय समुदाय पर महत्वपूर्ण अध्ययन करेगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शाति मैत्री
विवरणिका 2013-14

5.2.1 एम.ए. मानवविज्ञान

यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। कुल 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 40% अंकों सहित किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों हेतु न्यूनतम 35% अंकों सहित उत्तीर्ण)**

5.2.2 एम.फिल. मानवविज्ञान

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में दो प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में दो प्रश्नपत्र 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट का और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों सहित मानव विज्ञान/समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों हेतु न्यूनतम 50% अंकों सहित उत्तीर्ण)**

5.2.3 पी-एच.डी. मानवविज्ञान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है। मानवविज्ञान के अंतर्गत सत्र : 2009-10 से पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है।

योग्यता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों सहित मानव विज्ञान/समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों हेतु न्यूनतम 50% अंकों सहित उत्तीर्ण)**

वांछनीय : मानव विज्ञान में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/समकक्ष राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

5.2.4. फोरेंसिक साइंस में पी.जी. डिप्लोमा (एक वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम)

योग्यता : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि उत्तीर्ण

वरीयता : विज्ञान, मेडिसिन अथवा विधि उत्तीर्ण।

6. सृजन विद्यापीठ

6.1 नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग

इस विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के अंतर्गत फिल्म एवं नाट्यकला के उन पक्षों के अध्ययन को प्रमुखता दी जाती है जिन्हें प्रायः अध्ययन की मुख्य धारा में सम्मिलित नहीं किया गया है, जैसे फिल्म एवं नाट्य समालोचना तथा समीक्षा, कला प्रशासन, मंच व्यवस्था, नाट्य एवं फिल्म लेखन प्रविधियाँ आदि। इसके अतिरिक्त मंच प्रस्तुतियाँ एवं फिल्म निर्माण भी इस पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में नियमित रूप से संचालित होते हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अतिथि विशेषज्ञों के निर्देशन में आयोजित व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ छात्रों को विशद अनुभव एवं अधुनातन ज्ञान प्रदान करती हैं।

6.1.1 एम.ए. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन

यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। चार छमाहियों का यह नियमित पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 35%)**

प्रवेश प्रक्रिया में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली अथवा भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ जैसे राष्ट्रीय महत्त्व के नाट्य अथवा फिल्म संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त अभ्यर्थी बिना लिखित परीक्षा के सीधे साक्षात्कार के लिए बुलाए जायेंगे।

6.1.2 एम.फिल. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन

एम.फिल. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन एक वर्ष का पाठ्यक्रम है जो कि दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और मौखिक परीक्षा ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्नपत्र 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध प्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 10 सीटें हैं।

योग्यता :

मानविकी, जनसंचार, संगीत, नृत्य तथा अन्य प्रदर्शनकारी कलाओं में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण **(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**। प्रवेश, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार की वरीयता के अनुसार दिया जाएगा।

6.1.3 पी-एच.डी. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

योग्यता :

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन/संबद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 50%)**

वांछनीय :

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन/संबद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

संबद्ध अनुशासन : मानविकी, जनसंचार, संगीत, नृत्य तथा अन्य प्रदर्शनकारी कलाएं।

7. क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद

कार्यपरिषद् में लिए गये निर्णयानुसार 9 मई 2009 को इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की गई। इस केंद्र से निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे है।

7.1 अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान में डिप्लोमा

यह एकवर्षीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में 20 सीटें है।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 40% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। **(अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 35%),** स्नातकस्तर पर एक विषय हिंदी होना अनिवार्य है।

7.2 उर्दू भाषा में डिप्लोमा

यह एकवर्षीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में 20 सीटें है।

योग्यता : 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।

विविध पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित शुल्क

सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	इंटरनेट शुल्क	प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक)	परीक्षा शुल्क (प्रति छमाही)	सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	चिकित्सा शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क	कुल
पी.जी. डिप्लोमा फोरेंसिक साइंस	200	750	00	1000	250	250	50	50	25	75	**2650**
पी.जी. डिप्लोमा हिंदी (अनुवाद) तुलनात्मक भारतीय साहित्य स्नातकोत्तर डिप्लोमा – हिंदुस्तानी स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पालि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग मे स्नातकोत्तर डिप्लोमा पी.जी. डिप्लोमा इन इंडियन एण्ड वेस्टर्न आर्ट्स एण्ड एस्थेटिक्स	200	750	00	00	250	250	50	50	25	75	**1650**
प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा निर्वचन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा	200	750	00	450	250	250	50	50	25	75	**2100**
सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन	200	1000	00	750	250	250	50	50	25	75	**2650**
डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन	200	2000	00	750	250	250	50	50	25	75	**3650**
विश्वभाषा हिंदी	200	1000	00	00	250	250	50	50	25	75	**1900**
भारतीय भाषा में डिप्लोमा (मराठी, उर्दू, संस्कृत, तमिल) तिब्बती भाषा एवं बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान में डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	200	500	00	00	250	250	50	50	25	75	**1400**
विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेज़ी)	200	1500	00	00	250	250	50	50	25	75	**2400**
स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण 2. वेब पत्रकारिता 3. प्रसार माध्यम 4. विज्ञापन एवं जनसंपर्क 5. ग्राफिक्स एवं एनीमेशन 6. वीडियोग्राफी एवं वीडियो संपादन	200	1650	200	2500	250	1000	50	50	25	75	**6000**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शाति मैत्री
विवरणिका 2013-14

एम.ए. पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रवेश शुल्क	छमाही शिक्षण शुल्क	सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	स्टुडियो / प्रयोगशाला / क्षेत्रीय कार्य शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	कुल
भाषा प्रौद्योगिकी अनुवाद प्रौद्योगिकी कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	150	500	250	200	50	75	25	200	50	**1500**
इन्फॉर्मेटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	150	1500	250	1500	50	75	25	200	50	**3800**
हिंदी अहिंसा एवं शांति अध्ययन स्त्री अध्ययन दलित एवं जनजाति अध्ययन बौद्ध अध्ययन	150	500	250	00	50	75	25	200	50	**1300**
नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन जनसंचार मीडिया प्रबंधन एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया	150	800	1000	1500	50	75	25	200	50	**3850**
मानव विज्ञान	150	500	250	500	50	75	25	200	50	**1800**
समाजकार्य	150	800	250	00	50	75	25	200	50	**1600**

एम. फिल. पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रवेश शुल्क	छमाही शिक्षण शुल्क	सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	स्टुडियो / प्रयोगशाला / क्षेत्रीय कार्य शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	कुल
भाषा प्रौद्योगिकी अनुवाद प्रौद्योगिकी समाजकार्य	150	500	250	200	100	75	25	200	50	**1550**
तुलनात्मक साहित्य अहिंसा एवं शांति अध्ययन स्त्री अध्ययन दलित एवं जनजाति अध्ययन बौद्ध अध्ययन	150	500	250	00	100	75	25	200	50	**1350**
जनसंचार नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन	150	800	1000	1500	100	75	25	200	50	**3900**
कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	150	500	1000	200	100	75	25	200	50	**2300**
मानव विज्ञान	150	500	250	1000	100	75	25	200	50	**2350**
डायस्पोरा अध्ययन	150	800	1000	00	100	75	25	200	50	**2400**

पी–एच. डी. पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	पंजीयन शुल्क	स्टुडियो / प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक)	पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रत्यर्पणीय)	परीक्षा शुल्क (प्रवेश के समय)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	कुल
भाषा प्रौद्योगिकी कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स इन्फोर्मैटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग जनसंचार अनुवाद प्रौद्योगिकी नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन	300	1000	300	1000	1000	50	500	75	25	**4250**
तुलनात्मक साहित्य अहिंसा एवं शांति अध्ययन स्त्री अध्ययन मानव विज्ञान दलित एवं जनजाति अध्ययन समाजकार्य बौद्ध अध्ययन	300	00	300	1000	1000	50	500	75	25	**3250**

8. विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

आवश्यकता/सरोकार/उद्देश्य

वैश्वीकरण के दौर में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की मुख्य संपर्क भाषा हिंदी विदेशों में लोकप्रिय हो रही है। भारतीय संस्कृति में बढ़ती वैश्विक रूचि तथा बाज़ार संबंधी आवश्यकताओं के चलते विश्व के विविध भागों के छात्रों में हिंदी अध्ययन की बढ़ती माँग तथा हिंदी को एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने की दृष्टि से विश्वाविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ में निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं -

1. अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एक वर्ष)
2. अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (छः माह)
3. अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए गहन हिंदी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (तीन माह)
4. अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी परिचय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एक माह)
5. अभिविन्यास पाठ्यक्रम (एक माह)
6. अभिविन्यास पाठ्यक्रम (तीन माह)

विदेशी छात्रों के लिए प्रवेश-प्रक्रिया

विदेशी छात्रों को प्रवेश-परीक्षा से छूट दी गयी है। यद्यपि प्रवेश होने की स्थिति में उनकी योग्यता की तुल्यता के आधार पर उनके प्रवेश पर विचार किया जाएगा और उन्हें निम्नलिखित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे-

1. छात्र वीज़ा
2. चिकित्सा प्रमाण पत्र, यदि कोई, भारत सरकार द्वारा निर्धारित हो।

विदेशी हिंदी शिक्षकों के लिए 10 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम वर्ष 2011 में आरंभ हुआ। इस पाठ्यक्रम के प्रमुख घटक हैं।

- हिंदी लेखन व्यवस्था
- हिंदी स्वनप्रक्रिया
- हिंदी व्याकरण
- हिंदी की साहित्यिक बोलियाँ
- नवाचारी विधियों से हिंदी गद्य व पद्य शिक्षण
- हिंदी फिल्म और रंगमंच
- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी

प्रवेश क्षमता : 10-12
समय : अक्टूबर और दिसंबर
शुल्क : US $ 200 प्रतिमाह (भोजन व्यवस्था, आवास व्यवस्था, परिवहन शुल्क आदि हेतु)

01/02/03 सप्ताह के कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जा सकता है।

विदेशी हिंदी शिक्षकों की निरंतर माँग को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2012 से शिक्षण सामग्री/पाठ्य सामग्री निर्माण की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शाति मैत्री
विवरणिका 2013-14

9. आरक्षण

1. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश-परीक्षा में उत्तीर्ण अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग/पूर्वोत्तर प्रांत के अभ्यर्थियों को प्रवेश में यू.जी.सी./मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समय-समय पर लागू होने वाले निर्देशों के अनुसार आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। आरक्षण का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित आवेदन प्रपत्र के अनुसार ही प्रवेश दिया जाएगा।

2. सेवा-निवृत्त सेना कर्मचारियों के वार्ड को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ.-19-8 / 2008 - डेस्क (यू.), दिनांक 29.05.08 के अनुसार एवं कार्यपरिषद् की 35 वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार प्रवेश में 5% सीटों का आरक्षण रखा गया है।

3. केंद्रीय संस्थानों में सफाई-कर्मियों के वार्ड को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ.-19-15 / 2007 - डेस्क (यू.), दिनांक 17.08.08 के अनुसार एवं कार्यपरिषद् की 35 वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार तकनीकी एवं उच्चशिक्षा निःशुल्क दी जाएगी।

4. कश्मीरी विस्थापितों को प्रवेश में आरक्षण तथा प्रवेश-तिथि के संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ.-10-1/2008-डेस्क (यू.), दिनांक 07.03.08 के अनुपालन में एवं कार्यपरिषद् की 35 वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार प्रवेश-तिथि में 30 दिन अधिक का समय, प्रवेश-परीक्षा के प्राप्तांक में 10% की छूट, पाठ्यक्रमवार सीटों की संख्या में 5% की वृद्धि, अधिवास प्रमाण के संबंध में अधित्याग करने एवं प्रव्रजन प्रमाण-पत्र में दूसरे वर्ष या उसके बाद जमा करने की छूट दी जाएगी।

10. प्रवेश नियम

(एम.ए./एम.फिल./पी-एच.डी.)

1) एम. ए. के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश साक्षात्कार के आधार पर दिया जायेगा। साक्षात्कार में बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों को निकटतम मार्ग से रेल की द्वितीय श्रेणी (शयनयान श्रेणी) का आने-जाने का किराया दिया जाएगा।

2) एम. ए. के विद्यार्थियों को किसी एक अन्य भारतीय अथवा विदेशी भाषा में डिप्लोमा करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थी भारतीय/विदेशी भाषा में डिप्लोमा अपनी मातृभाषा तथा शिक्षा के माध्यम की भाषा को छोड़कर अन्य भाषा में ही प्रवेश ले सकेंगे। डिप्लोमा पाठ्यक्रम अर्हक (Qualifying) होगा। जिसके अंक एम. ए. के परीक्षाफल में नहीं जोड़े जायेंगे।

3) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एम.फिल/पी-एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित अर्हता रखने वाले एवं पूर्ण रूप से आवेदन-प्रपत्र भरकर जमा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र जारी किया जाएगा।

4) अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थियों की पात्रता :-

किसी विशेष पाठ्यक्रम की प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी इस स्पष्ट शर्त के साथ, अपने जोखिम पर प्रवेश-परीक्षा में बैठ सकते हैं कि उनके चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे जब उन्होंने अर्हक परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा और वे पंजीयन के लिए निश्चित समय-सीमा से पूर्व अर्हक परीक्षा के अंतिम अंक पत्रों सहित सभी दस्तावेज़ जमा करेंगे।

5) एम.फिल हेतु प्रवेश-प्रक्रिया क्रमशः दो चरणों में पूरी होगी :-

- पहले चरण में लिखित परीक्षा होगी। इसमें संबंधित विषय की सामान्य जानकारी/समझ से संबद्ध वस्तुनिष्ठ, लघु-उत्तरीय और दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न होंगे।
- दूसरे चरण में साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा जो प्रवेश के लिए आयोजित लिखित-परीक्षा में सफल होंगे।

6) पी-एच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा तीन चरणों में होगी।

- पहले चरण में लिखित परीक्षा (प्रथम चरण की परीक्षा में निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण अभ्यर्थी को ही अन्य चरण की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। एम.फिल./नेट/स्लेट/जे.आर.एफ. उत्तीर्ण छात्रों को लिखित परीक्षा से छूट दी जाएगी।)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शाति मैत्री
विवरणिका 2013-14

- द्वितीय चरण में अंतरक्रियात्मक सत्र (Interactive Session) / कार्यशाला
- तृतीय चरण में साक्षात्कार होगा।
- **जो अभ्यर्थी एम.ए. के बाद सीधे पी-एच.डी. में प्रवेश लेंगे उन्हें एक छमाही का कोर्स वर्क करना अनिवार्य होगा।**

7) **माइग्रेशन :** प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को मूल प्रव्रजन प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। जो चयनित विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रव्रजन प्रमाण-पत्र जमा न करा सकें उन एम.ए./एम.फिल. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रथम छमाही परीक्षा से पूर्व उसे जमा कराना होगा अन्यथा परीक्षा की अनुमति नहीं दी जाएगी। पी-एच.डी. छात्रों को इसके लिए प्रवेशोपरांत एक माह तक का समय दिया जाएगा अन्यथा प्रवेश निरस्त किया जाएगा।

8) चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों / दस्तावेज़ों की मूलप्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।

9) पीएच.डी. पाठ्यक्रम के नियमित होने की वजह से किसी संस्था में कार्यरत अभ्यर्थी को पीएच.डी. अथवा नौकरी दोनों में से किसी एक को चुनना पड़ेगा।

10) विश्वविद्यालय परिसर अथवा छात्रावास में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वाले छात्र/छात्राओं पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

11) अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-प्रपत्र में दी गई कोई सूचना गलत पायी जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।

12) प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद केवल वर्धा/नागपुर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में होगा।

13) दस्तावेज़ की स्वहस्ताक्षरित प्रति आवेदन के साथ संलग्न करनी होगी।

11. विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है –

1) प्रत्येक को इंटरनेट की सुविधा।

2) **विश्वविद्यालय में संसाधन उपलब्ध होने की दशा में एम.ए. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को ₹ 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। संसाधनों के अभाव में यह सुविधा निरस्त की जा सकती है।**

3) अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में छूट दी जाएगी।

4) विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कम्प्यूटर के अनिवार्य-शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

5) विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ वर्तमान में चल रहे पाठ्यक्रमों को केंद्रित करते हुए बल्कि भविष्य में करणीय अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। जहाँ एक ओर सभी विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकों का एक अच्छा संग्रह यहाँ उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर हिंदी की पुरानी छपी दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों को 'विश्व हिंदी संग्रहालय' एवं 'अभिलेखागार' में संरक्षित किया जा रहा है।

6) **संवाद कार्यक्रम।**

7) **राष्ट्रीय सेवा योजना।**

8) **क्रीड़ा और खेलकूदः-** विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय खेलकूद मैदानों/स्थानों तथा क्रीड़ा उपकरणों के रूप में आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करता है।

9) **विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्रः** विश्वविद्यालय के छात्रों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।

10) **छात्रावास :-** विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेशोपरान्त (नियमित पाठ्यक्रम) छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश/नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। छात्रावास शुल्क एम.ए./एम.फिल. छात्रों के लिए ₹ 150 प्रति माह एवं पी.एच.डी. छात्रों के लिए ₹ 200 प्रति माह होगा। छात्रावास में दो छात्रों को एक कक्ष आवंटित किया जाएगा।

यू.जी.सी. द्वारा लागू नियम के अनुसार अनु.जाति/अनु.जनजाति वर्ग के छात्र/छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। **(अंशकालिक पाठयक्रमों में प्रवेशित अभ्यर्थी छात्रावास में स्थान के पात्र नहीं हैं।)**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शांति मैत्री
विवरणिका 2013-14

12. अकादमिक कैलेंडर : 2013-2014

अकादमिक कैलेंडर : 2013-2014

1.	आवेदन-प्रपत्र सहित विवरणिका प्राप्त करने एवं जमा करने की तिथि	:	11 फरवरी से 15 मई, 2013
2.	एम.फिल./पी-एच.डी लिखित परीक्षा तिथि	:	16 जून, 2013
4.	एम.ए. / एम. एससी. साक्षात्कार तिथि (निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन आनेपर)	:	16-30 जून, 2013
4.	एम.फिल./पी-एच.डी साक्षात्कार तिथि	:	01-09 जुलाई, 2013
5.	प्रवेश की तिथि	:	01-16 जुलाई, 2013

शैक्षणिक सत्र

1.	प्रथम/तृतीय छमाही (मानसून सत्र)	:	08 जुलाई, 2013 से 30 नवंबर, 2013 तक
2.	द्वितीय/चतुर्थ छमाही (शीत सत्र)	:	16 दिसंबर, 2013 से 15 अप्रैल, 2014 तक

शीतावकाश : 02 दिसंबर, 2013 से 13 दिसंबर, 2013 तक

ग्रीष्मावकाश : 01 मई, 2014 से 13 जून, 2014 तक

स्थापना दिवस : 29 दिसंबर, 2013

सत्रांत परीक्षा की तिथि

1.	टर्म पेपर-सेमिनार जमा (विभिन्न विभागों से परीक्षा विभाग में) करने की तिथि	:	01-11 नवंबर, 2013
2.	सत्रांत परीक्षा (प्रथम/तृतीय छमाही)	:	15-30 नवंबर, 2013
3.	टर्म पेपर-सेमिनार जमा (विभिन्न विभागों से परीक्षा विभाग में) करने की तिथि	:	14 मार्च-25 मार्च, 2014
4.	सत्रांत परीक्षा (द्वितीय/चतुर्थ छमाही)	:	01-15 अप्रैल, 2014

आवेदन प्राप्ति और जमा करने का पता

उपकुलसचिव (अकादमिक)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा–442 005 (महाराष्ट्र) भारत
फ़ोन-फ़ैक्स : (07152) 251661
ई-मेल : dr.ac@hindivishwa.org
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

13. लीला (LILA)

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है।

इक्कीसवीं सदी की विश्वव्यवस्था में सामान्यत: और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषत: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है।

विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की ज़िम्मेदारियाँ हैं। संक्षेप में, विश्वविद्यालय की अभिकलन प्रस्तुति की सूत्रधारिता 'लीला' का कार्य है।

'लीला' ने अपनी योजनाओं में भावी अभिकलन (Futuristic computing) को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लेकर पाठ्यचर्या निर्माण तक अपनी गतिविधियों को मुक्त सॉफ्टवेयर (Free software) पर आधारित किया है।

14. कम्प्यूटर प्रयोगशाला

शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है बल्कि कम्प्यूटर के अनिवार्य शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

15. पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्यपुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाएँ मंगाई जा रही हैं। पुस्तकालय के डिजिटाइज़ेशन का कार्य अंतिम चरण में है। पुस्तकालय में ऑनलाइन जर्नल की सुविधा है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय
विवरणिका 2013-14

16. महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के अधिनियम की धारा 4 में उल्लिखित विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में बताया गया है कि 'विश्वविद्यालय का उद्देश्य . . . दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा'। साथ ही धारा 5 के उपबन्ध (5) के अंतर्गत विश्वविद्यालय को प्रदत्त शक्तियों में यह बताया गया है कि 'दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उन व्यक्तियों को जिनके बारे में वह अवधारित करे, सुविधाएँ प्रदान करना है'।

विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके—विशेष तौर पर समाज के हाशिए पर रह रहे शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री-अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्वशांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिंदी में मौलिक-वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध इस विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा निदेशालय यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम शोध/अनुसंधान द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करे, साथ ही, दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्वपूर्ण है। अत: यह निदेशालय उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान कर सकेगा जो किसी कारण शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। आशा है कि इसी राह पर चलते हुए यह निदेशालय अपने **ध्येय 'शिक्षा जन-जन के द्वार'** को चरितार्थ कर सकेगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा निदेशालय वर्तमान शिक्षा-व्यवस्था के लिए विकल्प उपस्थित करने, हिंदी में मौलिक सोच एवं अनुसंधान, समाज के हर तबके—विशेष तौर पर शिक्षा से वंचित तबकों—के लिए उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान बनाने हेतु ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की हिंदी भाषा के माध्यम से मौलिक प्रस्तुति एवं नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के हिंदी माध्यम से प्रचार-प्रसार को सुनिश्चित करेगा।

नोट : विस्तृत विवरण के लिए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम की विवरणिका देखें। इस संदर्भ में जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org पर भी उपलब्ध है। फोन: (07152) 247146, 255360

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रवेश-अर्हता	शुल्क*
एम.ए. ग्राम विकास	स्नातक	₹ 4700 प्रथम वर्ष
एम.ए. हिंदी	स्नातक	₹ 5000 प्रथम वर्ष
एम.ए. समाजकार्य	स्नातक	₹ 13100 प्रथम वर्ष
पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर	बीजेएमसी / बीजे / पीजीडीजेएमसी	₹ 7700 प्रथम वर्ष
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.लिब.)	बीएलआईएस 50% अंकों सहित / बीएलआईएस 2 वर्षीय पुस्तकालीय अनुभव के साथ	₹ 7900
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.लिब.)	स्नातकोत्तर / स्नातक 50% अंकों / स्नातकसहित 2 वर्षीय पुस्तकालीय अनुभव / स्नातकसहित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा / व्यावसायिक या तकनीकी स्नातक	₹ 7400
पत्रकारिता (जनसंचार) में स्नातक	स्नातक	₹ 8400
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	स्नातक	₹ 3500
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	स्नातक	₹ 6200
आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	स्नातक	₹ 5500
पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	स्नातक	₹ 3300
ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	स्नातक	₹ 3500
हिंदी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा	10+2 इंटरमीडिएट	₹ 3000
स्त्री सशक्तिकरण एवं विकास में डिप्लोमा	10+2 इंटरमीडिएट	₹ 4500
पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा	10+2 इंटरमीडिएट	₹ 4800
व्यवसाय प्रबंध में डिप्लोमा (डीबीएम)	10+2 इंटरमीडिएट	₹ 11200
व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (बीबीए)	10+2 इंटरमीडिएट	₹ 9200 प्रथम वर्ष ₹ 9000 द्वितीय वर्ष ₹ 9000 तृतीय वर्ष
प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम)	स्नातक	₹ 13100 प्रथम वर्ष
व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए)	स्नातक	₹ 11400 प्रथम वर्ष ₹ 11200 द्वितीय वर्ष ₹ 11200 तृतीय वर्ष

* सत्र 2012-13

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ज्ञान शाति मैत्री
विवरणिका 2013-14

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

● कुलाध्यक्ष	माननीय प्रणब मुखर्जी
● कुलाधिपति	प्रो. नामवर सिंह
● कुलपति	श्री विभूति नारायण राय
● प्रतिकुलपति	प्रो. ए. अरविंदाक्षन
● कुलानुशासक	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल
● **अधिष्ठाता भाषा विद्यापीठ**	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
○ विभागाध्यक्ष : भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
○ विभागाध्यक्ष : कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग	प्रो. विजय कुमार कौल
○ निदेशक : प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र	प्रो. विजय कुमार कौल
○ निदेशक : भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
● **अधिष्ठाता साहित्य विद्यापीठ**	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल
○ विभागाध्यक्ष : साहित्य विभाग	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
● **अधिष्ठाता संस्कृति विद्यापीठ**	प्रो. लेला कारुण्यकारा
○ विभागाध्यक्ष : अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग	डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
○ विभागाध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग	प्रो. शंभु कुमार गुप्त
○ निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र	प्रो. लेला कारुण्यकारा
○ निदेशक : महात्मा गांधी फ्यूजीई-गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र	प्रो. मनोज कुमार
○ निदेशक : डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह

● **अधिष्ठाता : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ**	प्रो. देवराज
○ विभागाध्यक्ष : अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग	प्रो. देवराज
○ विभागाध्यक्ष : डायस्पोरा अध्ययन विभाग	प्रो. ए. अरविंदाक्षन
● **अधिष्ठाता : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ**	प्रो. अनिल कुमार राय
○ निदेशक : संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	प्रो. अनिल कुमार राय
○ विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग	डॉ. फरहद मलिक
● **अधिष्ठाता : सृजन विद्यापीठ**	प्रो. सुरेश शर्मा
○ विभागाध्यक्ष : नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन	प्रो. सुरेश शर्मा
● अधिष्ठाता : छात्र-कल्याण	प्रो. रामवीर सिंह
● निदेशक : महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र	प्रो. ए. अरविंदाक्षन
● कुलसचिव	डॉ. कैलाश खामरे
● वित्ताधिकारी	श्री संजय भा. गवई
● परीक्षा नियंत्रक	डॉ. कैलाश खामरे
● पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. मैत्रेयी घोष
● उपकुलसचिव (स्थापना)	श्री पी. सरदार सिंह
● उपकुलसचिव (अकादमिक)	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
● विशेष कर्तव्य अधिकारी	श्री नरेन्द्र सिंह
● प्रकाशन प्रभारी	डॉ. बीर पाल सिंह यादव
● सहायक कुलसचिव	श्री सुशील बी. पखीडे
	डॉ. राजेश्वर सिंह
	श्री ज्योतिष पायें
	श्री राजेश अरोड़ा
● जनसंपर्क अधिकारी	श्री बी.एस. मिरगे
● हिंदी अधिकारी	श्री राजेश यादव
● लोक सूचना अधिकारी	श्री अमरेन्द्र कुमार शर्मा